Dainik Bhaskar (Indore), 18th February 2026, Page – 05

आईआईटी का 17वां स्थापना दिवस

रिसर्च व ट्रांसलेशनल इनोवेशन मजबूत करने खुली दो नई लैब

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर का 17वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। इस दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रभावशाली अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक सरोकारों की यात्रा पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में फैकल्टी, स्टाफ, पूर्व छात्रों के साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए। रिसर्च और ट्रांसलेशनल इनोवेशन को मजबूत करने के लिए दो नई लैब्स की भी शुरुआत हुई। इनमें टीईएम लैब और प्रज्ञान इनोवेशन ट्रांजिट लैब शामिल हैं।

आईआईटी डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने कहा- आईआईटी इंदौर ने कम समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। संस्थान का फोकस केवल डिग्री देने तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करना है। पिछले 17 साल में संस्थान एक सक्रिय शैक्षणिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हुआ है। हमारा लक्ष्य ऐसे नवाचार विकसित करना है जो आम लोगों तक पहुंचें और उन्हें सशक्त बनाएं।

विज्ञान, इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए

कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में विज्ञान, इंजीनियरिंग और इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च के उभरते क्षेत्रों में संस्थान की उपलब्धियां प्रदर्शित की गईं। विशेषज्ञों ने इसे रिसर्च टू रियल वर्ल्ड मॉडल की दिशा में मजबूत कदम बताया। विशेष अतिथि आईआईटी जम्मू के अध्यक्ष और टेक्नोक्रॉफ्ट ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक डॉ. शरद कुमार सराफ और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) नासिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (मिग कॉम्प्लेक्स) साकेत चतुर्वेदी थे। डॉ. सराफ ने डीन और विभागाध्यक्षों से चर्चा करते हुए कहा- देश की चुनौतियों को अवसर में बदलना ही वास्तविक नेतृत्व है। उन्होंने छात्रों को विदेश जाने के बजाय देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा दी।